पायनियर

लखनऊ, शनिवार, 12 अगस्त 2023

प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन क्रान्ति की ओर अग्रसरः नन्दी

इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए आए 6000 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

- हिन्दुजा, टाटा, रिलायंस, अडानी के साथ ही देश की कई बड़ी.बड़ी कम्पनियां यूपी में मैन्युफैक्चरिंग प्लान्ट स्थापित करने के लिए हैं तैयार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि निवेश का गंतव्य और देश का ग्रोथ इंजन बनने के साथ ही असीम सम्भावनाओं और समृद्धि वाला उत्तर प्रदेश अब इलेक्ट्रिक वाहन क्रान्ति की ओर अग्रसर है। जहां इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, रिचार्जेबल बैटरी निर्माण के साथ ही अन्य ईवी प्लान्ट स्थापित करने के लिए हिन्दुजा, टाटा, रिलायंसए अडानी के साथ ही कई देशी और विदेशी कम्पनियां हजारों करोड़ का निवेश करते हुए अपना प्लांट स्थापित करने के लिए न सिर्फ इच्छुक हैं, बल्कि अपनी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह तैयार है। उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक व्हीकल ईकोसिस्टम सृजन को लेकर शुक्रवार को आयोजित राउण्ड टेबल सम्मेलन में देश की कई प्रतिष्ठित कम्पनियों ने सम्मिलित होते हुए न सिर्फअपना निवेश प्रस्ताव रखा बल्कि निवेश के लिए एमओयू भी साइन किए। जिन्हें हर सम्भव मदद का वादा किया गया।

उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक व्हीकल ईकोसिस्टम सृजन को लेकर होटल हयात में आयोजित राउण्ड टेबल सम्मेलन में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। लेकिन विकास के रास्ते पर आगे बढ़ते हुए हम बेपरवाह नहीं हैंए अपनी प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति हमारा नजरिया संरक्षण एवं संवर्धन का है। मंत्री नन्दी ने कहा कि आज हम एक युगांतकारी कदम बढ़ा रहे हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल ईकोसिस्टम सृजन को लेकर आयोजित यह राउण्ड टेबल सम्मेलन स्वच्छ ऊर्जाए स्वस्थ पर्यावरण एवं आर्थिक उन्नति के मानकों पर ऐतिहासिक प्रयास है।

मंत्री नन्दी ने कहा कि वाहनों की तेजी से बढ़ती संख्या आवश्यक ईंधन संसाधनों की घटती मात्रा और पर्यावरण प्रदूषण का संकटए यह सब एक दुष्चक्र का निर्माण कर रहे हैं। कल की आने वाली दुनिया रहने लायक बचाए इसके लिए आज इन चुनौतियों पर विचार और विमर्श अति आवश्यक प्रतीत होता है। इस विमर्श से निकला एक सशक्त विकल्प है इलेक्ट्रिक वाहन। पर्यावरण के अनुकूल परिवहन आज की जरूरत है। जननायक विश्व नेता यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प वर्ष 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के संदर्भ में एक सहयोगी प्रयास है।

मंत्री नन्दी ने कहा कि फरवरी 2023 तक लगभग 415000 ईलेक्ट्रिक व्हीकल के साथ उत्तर प्रदेश ऑन रोड ईवी की संख्या में सबसे अग्रणी राज्य है। विभिन्न हरित मार्गों पर 500 से अधिक बसें संचालित हो रही हैं। अकेले लखनऊ में प्रतिदिन लगभग 35 हजार यात्री इलेक्ट्रिक बसों से यात्रा करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2030 तक ईलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से पारम्परिक वाहनों को प्रतिस्थापित करने का विश्वास व्यक्त किया है।

इस उभरते हुए सेक्टर में सफलता एवं सक्षमता के नए मानकों को स्थापित करने के क्रम में हमारी प्रदेश सरकार नवीन इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और गतिशीलता नीति 2022 का सक्रिय एवं प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। नवीन इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद में सब्सिडीए पंजीकरण शुल्क एवं रोड टैक्स में प्रथम तीन वर्षों तक 100 प्रतिशत छूट एक ऐतिहासिक कदम के रूप में है।

मंत्री नन्दी ने कहा कि ईलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में अवसरों का लाभ उठानेए निवेश आकर्षित करने एवं सतत विकास में योगदान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार नई इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति.2022 का सुचारू कार्यान्वयन कर रहा है। राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार अनेक कदम उठा रही है। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा हैए ईवी का त्वरित अंगीकरणए स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।